

**General Instructions: -**

1. You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully.
2. **“Evaluation policy is a confidential policy as it is related to the confidentiality of the examinations conducted, Evaluation done and several other aspects. Its’ leakage to public in any manner could lead to derailment of the examination system and affect the life and future of millions of candidates. Sharing this policy/document to anyone, publishing in any magazine and printing in News Paper/Website etc may invite action under IPC.”**
3. Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one’s own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and marks be awarded to them. In class-XII, while evaluating two competency based questions, please try to understand given answer and even if reply is not from marking scheme but correct competency is enumerated by the candidate, marks should be awarded.**
4. The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.
5. Evaluators will mark( ✓ ) wherever answer is correct. For wrong answer ‘X’ be marked. Evaluators will not put right kind of mark while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. **This is most common mistake which evaluators are committing.**
6. If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totaled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.
7. If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and encircled. This may also be followed strictly.
8. If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out.
9. No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.
10. A full scale of marks \_\_\_\_\_(example 0-40 marks as given in Question Paper) has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.
11. Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e. 8 hours every day and evaluate 30 answer books per day in main subjects and 35 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines).This is in view of the reduced syllabus and number of questions in question paper.
12. Ensure that you do not make the following common types of errors committed by the Examiner in the past:-
  - Leaving answer or part thereof unassessed in an answer book.
  - Giving more marks for an answer than assigned to it.

- Wrong totaling of marks awarded on a reply.
- Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page.
- Wrong question wise totaling on the title page.
- Wrong totaling of marks of the two columns on the title page.
- Wrong grand total.
- Marks in words and figures not tallying.
- Wrong transfer of marks from the answer book to online award list.
- Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.)
- Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.

13. While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0) Marks.

14. Any unassessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.

15. The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the Guidelines for spot Evaluation before starting the actual evaluation.

16. Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totaled and written in figures and words.

17. The Board permits candidates to obtain photocopy of the Answer Book on request in an RTI application and also separately as a part of the re-evaluation process on payment of the processing charges.

**कृपया ध्यान दीजिए:**

- 1। कुछ प्रश्नों के विकल्पात्मक उत्तर भी हो सकते हैं। इस अङ्क योजना में दिए गए उत्तर निदर्शनात्मक हैं। इनके अतिरिक्त भी संदर्भानुसार सही उत्तर हो सकते हैं, अतः अङ्क दिए जाएँ।
- 2। अनुच्छेद अथवा श्लोकों पर आधारित प्रश्न अवबोधनात्मक हैं। विद्यार्थी अनुच्छेद में दिए गए शब्दों के स्थान पर पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग भी कर सकते हैं, इसके लिए भी अङ्क दिए जाएँ। विद्यार्थी उत्तर देते समय उपयुक्त विभक्ति अथवा वचन का प्रयोग नहीं करते तो अंशतः अङ्क काटे जाएँ, संपूर्ण नहीं।
- 3। त्रुटिपूर्ण वर्तनी अथवा अशुद्ध व्याकरणात्मक प्रयोगों के लिए अनुपाततः अङ्क काटे जाएँ न कि पूरे अङ्क।
- 4। आंशिक दृष्टि से सही उत्तरों के लिए भी अंशतः अङ्क अवश्य दिए जाएँ।
- 5। खण्ड 'ख' में (रचनात्मक कार्यम्) के अन्तर्गत 'सूचना' व विज्ञापन' में विकल्प समझा जाए। बच्चों ने जो भी विकल्प किया हो, अङ्क दिए जाएँ। विषयप्रतिपादन और वाक्य संरचना प्रमुख है, न कि वाक्य का सौंदर्य तत्त्व। आंशिक वाक्य-शुद्धता के लिए भी अङ्क दिए जाएँ।

**संकेतात्मक उत्तर व अंक विभाजन :****Section A वर्णनात्मकाः प्रश्नाः (अपठितावबोधनम्)****10 अङ्काः**

- 1। (अ) एकपदेन उत्तरत। प्रत्येक प्रश्न के लिए  $\frac{1}{2}$  अंक। (केवलं चतुष्टयम्)  $4 \times \frac{1}{2} = 2$
- (i) अतिचञ्चलम् (ii) पवनसंयमनम् / पवन इव  
(iii) मनसः (iv) सङ्कल्पशक्तिः  
(v) सङ्कल्प-विकल्पयोः / दृढसङ्कल्प-विकल्पयोः
- (आ) पूर्णवाक्येन उत्तरत। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक। (केवलं प्रश्नद्वयम्)  $2 \times 2 = 4$
- (i) ....इदम् अभ्यासेन वैराग्येण च निग्रहीतुं शक्यम्।  
(ii) ....येषां श्रेष्ठपुरुषाणां संकल्पशक्तिः प्रबला भवति ते स्वमनः जयन्ति।  
(iii) ....ये जनाः उत्साहरहिताः निजमानसिकबलस्य ....पराजिताः भवन्ति।
- (इ) मनः/अतिचञ्चलं मनः/'मनसः शक्तिः'/'अस्माकं मनः' अथवा अनुच्छेद पर आधारित अन्य उपयुक्त शीर्षक।  $1 \times 1 = 1$
- (ई) यथानिर्देशम् उत्तरत। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक। (केवलं प्रश्नत्रयम्)  $3 \times 1 = 3$
- (i) मनः (ii) कठिनतमम्  
(iii) ये /जनाः (iv) पवनः

**Section B (रचनात्मकं कार्यम्)****15 अङ्काः**

- 2। पत्रलेखनम् - 10 रिक्तस्थान। प्रत्येक प्रश्न के लिए  $\frac{1}{2}$  अंक।  $10 \times \frac{1}{2} = 5$
- (i) प्रयागतः (ii) सार्थक ! (iii) उत्तरमण्डले (iv) लब्धवान् (v) अत्यधिकं  
(vi) रुचिः (vii) प्रस्तुतिः (viii) वर्धापनम् (ix) प्रणामाः (x) अर्णवः
- 3। (क) लघुकथा लेखन। 10 रिक्तस्थान। प्रत्येक रिक्तस्थानपूर्ति के लिए  $\frac{1}{2}$  अंक।  $10 \times \frac{1}{2} = 5$
- (i) आगत्य (ii) क्रोधस्य। (iii) शान्तचित्तः/ क्रोधशून्यः (iv) क्रोधशून्यः/शान्तचित्तः (v) प्रतिज्ञाम्  
(vi) भूत्वा (vii) सस्नेहम्। (viii) सह (ix) शान्तः (x) सेवाभावयना

## अथवा (OR)

(ख) **संवाद लेखन**। नीचे दिए गए उत्तर निर्दर्शनात्मक हैं। इनके अतिरिक्त भी संदर्भानुसार सही उत्तर हो सकते हैं, अतः अङ्क दिए जाएँ। 5 रिक्तस्थान। प्रत्येक रिक्तस्थानपूर्ति के लिए 1 अंक।

5×1=5

- (i) महोदय! ह्यः मम पितृव्यः सपरिवारः समागतः।
- (ii) अहं ह्यः पितृव्येन सह रक्तदुर्गं द्रष्टुं गतवान्।
- (iii) तत्र मीनाबाजारः दृष्टः।
- (iv) तत्र अहम् एकं क्रीडनकं क्रीतवान्। / तत्र मया एकं क्रीडनकं क्रीतम्।
- (v) रक्तदुर्गं बहुशोभनम् ऐतिहासिक-दृष्ट्या च अतीव महत्त्वपूर्णम् अस्ति।

### 4 (क) अनुच्छेदलेखनम्

1×5=5

इस प्रश्न में दिए गए विषय “भारतदेशः” पर एक अनुच्छेद लिखना है। बच्चों से सरल, संक्षिप्त वाक्यरचना अपेक्षित है। केवल वाक्य की शुद्धता देखी जाए। इस प्रश्न का प्रमुख उद्देश्य विषय से सम्बद्ध वाक्यों की रचना है। वाक्य लघु अथवा दीर्घ हो, यह महत्वपूर्ण नहीं। व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध होने पर पूर्ण अङ्क दिए जाएँ। मञ्जूषा में दिए गए शब्द सहायतार्थ हैं, बच्चे इनका प्रयोग करें अथवा नहीं, यह आवश्यक नहीं। वे स्वतन्त्र रूप से अपनी चिन्तनक्षमता से वाक्य-निर्माण कर सकते हैं। बच्चे अपने शब्दों का प्रयोग कर विषयानुसार वाक्यों का निर्माण कर सकते हैं अतः अङ्क दिए जाएँ। त्रुटियों के अङ्क अंशतः काटे जाएँ। पूर्णतया शुद्ध होने पर ही 5 अङ्क दिए जाएँ। प्रत्येक वाक्य के लिए 1 अङ्क है।

## अथवा (OR)

4 (ख) **संस्कृत अनुवाद** के प्रश्न में बच्चे संस्कृत में पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं, अतः अङ्क दिए जाएँ। त्रुटिपूर्ण वर्तनी अथवा व्याकरणात्मक प्रयोगों के लिए अनुपाततः अङ्क काटे जाएँ। आंशिक रूप से सही उत्तरों के लिए भी अंशतः अङ्क अवश्य दिए जाएँ। प्रत्येक भाग के लिए 1 अङ्क। (केवल वाक्यपञ्चकम्)

5×1=5

- (i) आदित्यः अद्य ग्रामं गमिष्यति।
- (ii) बालकः मित्रैः सह धावति।
- (iii) दिल्ली भारतस्य राजधानी अस्ति।
- (iv) गङ्गा सर्वासु नदीषु / सर्वासां नदीनां पवित्रा / पवित्रतमा अस्ति।
- (v) नदीम् उभयतः / अभितः वृक्षाः सन्ति।
- (vi) राजा याचकाय वस्त्रं / वस्त्राणि यच्छति / ददाति।
- (vii) वृक्षात् पत्राणि पतन्ति।

## Section C (पठित-अवबोधनम्)

15 अंकाः

5। **गद्यांशः** इस प्रश्न का मूल उद्देश्य अवबोधन परीक्षण है। बच्चे पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं। पूर्ण अङ्क दिए जाएँ। आंशिक उत्तर सही होने पर आंशिक अङ्क दिए जाएँ।

(अ) एकपदेन उत्तरत। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1/2 अङ्क। (केवल प्रश्नद्वयम्)

2×1/2=1

- (i) भोजः
- (ii) सिन्धुलसंज्ञः
- (iii) पञ्चवार्षिकः

(आ) पूर्णवाक्येन उत्तरत। प्रश्न के लिए 2 अङ्क। (केवल प्रश्नैकम्)

1×2=2

- (i) ....यद्यहं राज्यलक्ष्मी....तदा लोकापवादः।
- (ii) ....पुत्रहानिर्वशोच्छेदः....।

### 6। पद्यांशः

(अ) एकपदेन उत्तरत। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1/2 अङ्क। (केवल प्रश्नद्वयम्)

2×1/2=1

- (i) सुपुत्रेण
- (ii) चन्द्रेण
- (iii) आह्लादितम्

(आ) पूर्णवाक्येन उत्तरत । प्रश्न के लिए 2 अङ्क । (केवलं प्रश्नैकम्)

1×2=2

- (i) ....विद्यायुक्तेन साधुना सुपुत्रेण.... ।  
(ii) ....शर्वरी.... ।

7। नाट्यांशः

(अ) एकपदेन उत्तरत । प्रत्येक प्रश्न के लिए 1/2 अङ्क । (केवलं प्रश्नद्वयम्)

2×1/2=1

- (i) शिशूनाम्/स्वशिशूनाम्  
(ii) भार्यायाम्  
(iii) शैव्या

(आ) पूर्णवाक्येन उत्तरत । प्रश्न के लिए 2 अङ्क । (केवलं प्रश्नैकम्)

1×2=2

- (i) .... द्रौपदीं द्यूते.... ।  
(ii) ....स्वपत्नीं शैव्यां पुत्रं रोहितं च .... ।

8। भावार्थ-सम्बन्धी इस प्रश्न के उत्तर में बच्चे केवल पद भी लिख सकते हैं ।

4×1/2=2

(क) (i) बोधयति (ii) लोभः (iii) द्वाराणि (iv) त्यजेत्

अथवा (OR)

इस प्रश्न के उत्तर में बच्चे दिए गए तीन विकल्पों से एक शुद्ध भावार्थ लिख सकते हैं ।

2×1=2

- (ख) (I) (i) इह संसारे सत्ययुगस्य भूषणरूपः मान्धाता नृपः अपि अमरो न जातः ।  
(II) (iii) दुष्टः जनः सहस्रैः शिक्षाविद्भिः शिक्षमाणः अपि स्व स्वभावं न त्यजति ।

9। अन्वय-सम्बन्धी इस प्रश्न के उत्तर में बच्चे केवल पद भी लिख सकते हैं ।

4×1/2=2

- (i) भोजराजेन (ii) पञ्चाशत् (iii) सप्तमास (iv) भोक्तव्यः

10। वाक्यांश-सम्बन्धी इस प्रश्न के उत्तर में बच्चे केवल उत्तर सङ्ख्या भी लिख सकते हैं ।

4×1/2=2

- (i) स्वायत्तमेकान्तगुणं विधात्रा (अ) विनिर्मितं छादनमङ्गतायाः ।  
(ii) नैकेनापि समं गता वसुमती (ब) नूनं त्वया यास्यति ।  
(iii) परीक्षार्थमुद्यतोऽस्मि (स) गृहस्थाश्रम-प्रयोगशालायाम् ।  
(iv) इदमद्य मया लब्ध (द) मिमं प्राप्स्ये मनोरथम् ।

\*\*\*\*\*